भारत सरकार

नागर विमानन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न संख्या : **1756**

दिनांक 28 नवम्बर , 2019 / 7 अग्रहायण, 1941 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

एअर इंडिया का विनिवेश

1756. श्रीमती माला राय:

क्या **नागर विमानन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सरकार द्वारा एअर इंडिया में विनिवेश हेतु क्या कदम उठाए जा रहे हैं;

(ख) राष्ट्रीय वाहक के पुनरुद्धार की बजाए इसमें विनिवेश करने के निर्णय के पीछे क्या कारण हैं; और

(ग) सरकार की इस संबंध में योजना का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री हरदीप सिंह पुरी)

(क) से (ग): सरकार एअर इंडिया के नीतिगत विनिवेश के प्रति प्रतिबद्ध है और समय-समय पर नीतिगत विनिवेश की प्रक्रिया के मार्गदर्शन के लिए एअर इंडिया विशिष्ट वैकल्पिक तंत्र (एआईएसएएम) का गठन किया गया है। पूर्व में, एअर इंडिया के नीतिगत विनिवेश के लिए अभिरुचि की अभिव्यक्ति (ईओआई) आमंत्रित करने के लिए प्रारंभिक सूचना ज्ञापन (पीआईएम) दिनांक 28.03.2018 को जारी किया गया था। तथापि, बोली प्राप्त करने की अंतिम तिथि तक कोई बोली प्राप्त नहीं हुई थी। एअर इंडिया विशिष्ट वैकल्पिक तंत्र (एआईएसएएम) ने एअर इंडिया और इसकी सहायक कंपनियों के नीतिगत विनिवेश की प्रक्रिया को पुन: आरंभ करने का अनुमोदन प्रदान किया है। एअर इंडिया के नीतिगत विनिवेश के लिए अभिरुचि की अभिव्यक्ति (ईओई) आमंत्रित करने के लिए प्रारंभिक सूचना ज्ञापन (पीआईएम) तैयार करने की प्रक्रिया चल रही है।

एअर इंडिया की खराब वित्तीय स्थिति तथा इसके निरंतर तथा संचित घाटों के कारण सरकार ने इसके विनिवेश का निर्णय लिया है। इसके अतिरिक्त, परिपक्व और प्रतिस्पर्धात्मक विमानन बाजार में एयरलाइन के जीर्णोद्धार के लिए आगे की वित्तीय सहायता प्रदान करना, सरकार के सीमित संसाधनों का सर्वोत्तम उपयोग नहीं होगा।

*****